

प्रवेश सं०

१००६६

विषयः

वैद्यः

क्रम सं०

१२

नाम

पिङ्गल निर्णयः

ग्रन्थकार

पत्र सं०

८-३२

श्लोक सं०

अक्षर सं० (पंक्तौ)

२७

पंक्ति सं० (पृष्ठे)

७

आकारः

७-६५३-७

लिपिः

देवनागरी

आधारः

काग.

वि० विवरणम्

002253

पी० एस्० यू० पा०—७७ एस्० सी० ई०—१६५१—५० ०००

१३.८२०

प्रि.

शास्त्रेति नीमनक्षत्रजं स्मृतां। उग्रपयादीं च चित्रा चैति शाखा च वणां यु
क्ता कुराणि बुभुक्षु मया स्वाति ज्येष्ठा मूलयमस्य यत्ना॥ ६॥ ह्यूनं द्विषष्टिर्जातान
द्वयं सोऽयं अपावर्णः। यन्मृतावृषं जायते मृध्यात्वं यत्तु धिमासं कोऽकल
द्वयं विदुः। स्वादि मुहूर्तं समाहृतिकोऽद्वि त्रिंशत्कलानां उग्रपयातीत्यधि
कं लवता सप्तकं मयुक्तामः सूर्यो घृनित्रयं दत्ता। उत्तमानि च पंचाङ्ग
काष्ठापंचाङ्गुरा च खत्रा यदुत्तरस्याथ न तागतं स्यात्तु प्रतथा दुहित्या ता
लनु स्यात्तादवषष्ट्या द्विगुणं तिलकं सद्वा दत्तां समादिव संव्रमाणं। एतदु

३ म

ॐ दः गायत्री दिव्यं कं असुरीयं दृष्ट्वा प्राजापत्याष्टौ यजुषां षट् ॥
 साम्नां द्विः श्रवणं त्रिः श्रोत्रं च साम्नां चार्द्धं त्रीं श्रीं च चतुर्ः प्रा
 जापत्याष्टौ एकं श्रोत्रं जस्यादासुरी तान्मुनिगनुदुहृतीं च ॥ ३ ॥
 दुहृतास्तानि ससि सस्य सनाम्य एकं काव्यात् ॥ प्राण्यजुषामार्यं प्रति ॥ ३ ॥
 पादः ॥ इत्यादित्वरणा गायत्र्या तसत् ॥ जगत्या आदित्या ॥ विरजो दिशो ॥
 त्रिदुना रुद्रा ॥ एकं द्विदुष्या दुकपादं ॥ आश्रं रुद्र्या दृढनिः ॥ कवित्रि
 पादघनिः ॥ सापादनिवृत्तौ ॥ अशमसप्रदं ॥ दनिप्रतिष्ठा एषे वविपरीत ॥ ॥ ॥

वर्द्धमाना ॥ पङ्क मसकयोर्मध्य इत्यतिपादनिवृत्ता ॥ द्विनवकौ पङ्क
 मानागी ॥ विपरीतावाराही ॥ तृतीयं द्विपाज्ञागत गायत्र्यां द्विपा
 त्रिदुलिः ॥ उल्लिगाय त्रौ जगत्तस्या कजुमाध्य त्वदं त्रः ॥ पुर उल्लिगु
 रतः ॥ पुरो ल्लिगुरतः ॥ रुद्र्या दृषिनिः ॥ अनुदुबायत्रिः ॥ त्रिपाङ्क
 जागता न्यान् ॥ माध्यंत द्वा दृहती जागत्तस्य रय गायत्र्या ॥ पथ्या
 र्वर्ये तृतीय ॥ न्यं जसारिणी द्वितीयः ॥ स्कं अग्रीवी क्रोष्टाकः ॥ उरद
 हतीया स्कस्थ ॥ उपरिष्ठा दृहतांता पुरस्ता ॥ दृहती उरः ॥ कविं नवका

190

१०॥

अन्तरःखराजोगयत्रोवावृत्तिर्गते मदाब्रह्मीमताब्रह्मीतां
 दिनः॥ पञ्चिः जगतिगायत्रोवावृत्तिर्गते मदाब्रह्मीमताब्रह्मीतां
 तावाप्रस्तारपंक्तिः॥ धरतः॥ आन्तरपंक्तिः॥ धरतः॥ विहारपंक्तिरंतः॥
 संस्तारपंक्तिर्बहिः॥ अन्तरपंक्तिः॥ धरतः॥ आन्तरपंक्तिः॥ जगतीष्विः॥
 एकनत्रिंशद्व्यातिमतीतद्यः॥ जगतीधरस्ताज्यातिः॥ प्रथमेनामध्य
 ज्योतिर्मध्यमेनाव परिष्टाज्यातिरंत्येन॥ एकस्मिन्तत्कहंदांशः॥ १२॥

मती॥ धाक्ककमाती॥ विषादनिष्ठमध्यापिमीलिकमध्याविषरीतायवम
 ध्या॥ जनाधिकेनाकननिबृहुरिजा॥ द्वाभ्यां विराट्स्वराज्या॥ आदिः संदिग्धै
 वतादितः॥ असेमाब्रह्मविदवताः॥ सिसापिजनीलाकोवर्णी॥ यद्गुगमु
 धां॥ निःस्वराइति॥ आदितः संदिग्धादवतादिताग्निः॥ सवितासोमावृहस्पति
 र्वरुणश्चाविश्वादेवाः॥ स्वराः॥ द्वादशः॥ यद्गुजस्रघनगां॥ आरमध्यमपंच
 माध्यवतनिषादस्वराइति॥ सितसारंगपिशंगललनीललोहितगोराव
 र्णीः॥ राचनानाः॥ ततयः॥ श्यामान्तिष्ठंदांसि॥ आग्निवेद्यकाश्यपगोतमं

गिरिसर्गवकाविकवासिधनिगात्राणीति॥१॥ चतुःशतमुज्जतिः॥ चतुर
 चतुरस्रजद्वयतः॥ तावन्निमिषाप्रत्यः॥ अति॥ प्रत्ययावाधुन्यष्टिकावरी
 जगत्पः॥ इत्यकुर्वत्तत्तत्तान्योवतां॥ द्वितीयं द्वितीयमतिवः॥ अत्रलो
 निकां॥ आत्रिष्टुजात्रयकर्षी॥ पादत्रयनीगः॥ यथावत्तस्यमिदीयं॥ समु
 द्वापाः॥ गिरिगंतमध्यविलम्बाः॥ स्वर्गद्वयार्थी॥ अत्रायुद्वयं॥ प्रत्ययावा
 ता॥ लोचनद्वयं द्वितीयादिः॥ सप्तमः॥ प्रथमादिः॥ अंतं पंचमः॥ प्रथमः॥
 चित्रगणमुपादः॥ प्रथमः॥ अत्राविप्रलम्बाः॥ रत्नलाद्वितीयचतुर्थी॥ अत्रावा ॥१२॥

न

॥ प्रथमं मुखप्रवी॥ जयन्तुर्वर्तनत्रा॥ तन्नेयार्थदावपला॥ आश्रद्धेसमागीति
 ॥ अत्रावातापनीतिः॥ तन्नामणादीतिः॥ आश्रद्धेवमुगणआर्यागीतिः॥ अ
 तालीयं द्विः॥ अत्राच्युक्त्यादयुः॥ सत्तांतलीः॥ गिरिपदं दसकं॥ आश्रानति
 काच्युगिगः॥ अत्राच्युक्त्यादयुः॥ साकं॥ प्रथमिश्चाच्युजि॥ पंचमनप्रतः॥ साकं
 प्राच्यवृतिः॥ अत्राच्युक्त्यादयुः॥ नादीच्यवृतिः॥ आश्र्यायुगपत्प्रवृत्तकं॥ अत्र
 कुवास्तुसिनी॥ अत्राच्युक्त्यादयुः॥ गंतिका॥ गंत्याद्विर्वसतामात्रासमकलनवमः॥ अ
 द्वाश्रवान्॥ लसिका॥ विष्णुकः॥ पंचमाष्टमः॥ विष्णुनवमश्चापरयुः॥ द्वे

॥ १ ॥

विपरीताग्यानि कीजितो जोग ताजोगा हरि राधु तासा म्हा
अमर वक्रा जालो गजो जोगा पुष्पिता आनि लो जोगा जोशाय वमती पीजी
जो जोगा गोखे कान्त्रिं दंत शंखता महत्य युजीति ॥ ६ ॥ यति विष्ट
भात नु मध्यास्थो जमार ललिता जोगा चित्रप दानि गो विष्टु न्ना लामो
गो माणव का क्रीदिन कंच ता जोगा हल मुरखी नि सा तुज गविष्टु सता नो
हंस रुता जोगा अद विरा एम सो जोगा पण वो जोगा मयूर सारिणी
जोगो महा स्तो जोगा उय स्थिता न जोगा रक्ता वती जोगा स्तो ॥ १२ ॥

॥

ज्याता जोगा उपे इव जोगा जोगा आद्यं ता दुप जातयः ॥ दाधकं जोगा
गूशालिनी म्हा गो म्हा मुद्र स प्रयः ॥ दातो मी म्हा बोध स्वरा ॥ अमर विल
सिता जोगा म्हा मुद्र स प्रयः ॥ राध्या धता नी लो गू स्वागतानो जोगा
तानो स्तो जोगा वपनी जोगा जोगा वंदा स्तो जोगा ॥ इंद वंदा तो जोगा
॥ रात कंस ॥ दुत विलं वित जोगा ॥ श्री भरो जोगा वसु मुद्रा ॥ जाला इत
गति जोगा जोगा स र्वे वः नत नो जोगा ॥ अमु म विष्टि वा जोगा ॥ पंचला हि
कानो तो ॥ नुजंग प्रयातं यः ॥ स्वधिलीरः ॥ प्रमिता क्षरा स्तो सो ॥ कांतो ली



卷二

गायत्री। वाक्। चक्षुः। श्रोत्रं। तन्मयं। गन्धर्वः। सुप्रणीतं। त्रिजगत्तिनायः।
 ॥ पञ्चाक्षरीं गायन्तः। नमोऽस्तुते। त्रिजगत्तिनायः। वनोद्य-
 तं। मधु। छरीं। पतिः। पतिः। दीर्घं। विष्णुं। रतं। शक्रं। जलं। वृक्षं। कुसुमं। कर्प-
 उरं। सुहृन्। यक्षो। सुरा। अरिं। दानि। धनं। जामिः। आयुध-
 नि। शयः। अहिः। अक्षरा। स्वातः। गतिः। रसः। उदकं। प्रयः। सरः। लिप-
 जं। सहं। शवः। रुजः। सुखं। दुःखं। श्रवणं। श्रुतं। ज्ञानं। नृत्तं। नृपः। नृप-
 ष्यत्। आयुः। महत्। व्योमं। यशः। महं। स्वर्गं। कं। मृतीकं। मृतीकं। सती

नवत्यः षड्विंशत्यः पञ्चविंशत्यः शतत्रयः शतचतुर्विंशत्यः शतचतुर्विंशत्यः शतचतुर्विंशत्यः

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

॥ २ ॥
॥ ॥

新

॥२१॥

सावसुरोद्यमरोधः। लो ज नो न नी बंधु। मध्याध्यागो ब्रह्मांडा विंशो अठ
 विंशो जतमिति धनस्य॥२०॥ अथ्यानुवातस्त्रियोत्तुदी। मदी। अ
 दिति। इलो। जगती। वाक्करीतिगवा॥४॥। हलता। हलता। नामता
 वृणीयता। चीणाति। चपति। दोधति। वृत्तयति। केपति। लाजततति।
 कुभ्यतिकर्माणा॥१॥२॥। देल। दंर। डं। गि। यंज। गंज। गं। एह। वरं। न
 पुषी। नृति। मंस्तु। गवायिरिति। दोधस्य॥१॥२॥। श्वरीति। मध्यता। लाय
 ता। लायता। स्पंदति। कसति। सपति। स्पंते। स्पंदति। संसेति। ज्ञात

॥२१॥

ति। धंसति। त्वनेति। मांशि। नुरण्यति। शवति। कालयति। पुलयति। कं
 रति। पिस्पति। बिस्पति। मिस्पति। प्रवात। लवाते। म्यवाते। कवाते। गुवात
 अवात। द्वादेति। सहति। इयद्धति। मिच्छति। सच्छति। अयति। सच्छते
 । तुरीयति। स्मरति। अतति। पतति। चतति। सअति। रंदेति। चमति। ध
 जति। रजति। लजति। क्षियति। क्षिणति। जयति। सिसंति। खशिष्टि।
 योशिष्टि। क्षणाति। रिणति। इयति। रीयता। नेदति। नख्यति। दध्यति।
 दध्नीति। युध्यते। ध्वति। अर्धति। अल्यति। डीयता। तकति। दीयता।

२१



२ गं
॥२२॥
६

इति। फलति। मसति। मिस्रति। ध्रुवति। धावति। हसति। हयति। इति।
 कुयति। कुयति। गति। गति। जगति। जगति। जगति। गति। मिनेति।
 ध्रुति। ध्रुति। ध्रुति। ध्रुति। ध्रुति। ध्रुति। ध्रुति। ध्रुति। ध्रुति। ध्रुति।
 दति। रति। रति। रति। रति। रति। रति। रति। रति। रति।
 ति। यति। जायति। पतति। पतति। पतति। पतति। पतति। पतति।
 नीति। गति। जिगति। इति। ब्रजति। ब्रजति। ब्रजति। ब्रजति। ब्रजति।
 जगयात्। अयुधुरिति। गति। कर्माणां। १२३। १४। १५। १६। १७। १८। १९। २०। २१। २२। २३। २४। २५। २६। २७। २८। २९। ३०। ३१। ३२। ३३। ३४। ३५। ३६। ३७। ३८। ३९। ४०। ४१। ४२। ४३। ४४। ४५। ४६। ४७। ४८। ४९। ५०। ५१। ५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

॥२२॥

जीरा। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि।
 रणु। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि।
 वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि।
 दा। पतति। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि।
 का। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि।
 विस्वादा। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि।
 का। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि। वृषि।

॥२३॥

धर्मसूयः प्रवृत्त्यः सुमयी मनराणां संसादिभंख्यः संसां सुयुगात्
 सुखी वृत्तद्वयः वृत्ताः आणो सुधनो अरसाति वाजसातो म
 मनीकाखलिखतापिंस्सो मुदुधनावाताः सुयुगात् सुयुगात्
 मिथ्यासंगुह्यः सुयुगात् संवतः इति मेषासु मेषाः इति मेषाः
 हो आकाणः आनदः आनदः आनदः आनदः आनदः आनदः
 नूनरतिव्यापिकर्माणः ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥
 वंति हयति वंति हयति वंति हयति वंति हयति वंति हयति

॥२३॥

दीतिः स्रहति वायेति सुहति सुहति निवर्तुः अतिरति विया
 तः आतिरता तलिता अखंडला इत्याति गच्छति मिनीति त्रि
 ल्पिता ल्पितो गयेति नि बहयति मिनीति अर्वति धमतीति व
 कर्माणः ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥
 वधः अकः अकः अकः अकः अकः अकः अकः अकः
 परातिरति वज्रस्य ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥
 र्थकर्माणः ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥ ॥१॥

1128

इति पंचमोऽध्यायः ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ वाङ्मना विद्वी प्रीण सा
 वानुविधीयते सदस्ये सरिरी ॥ अविदिति वादा ॥ १२१ ॥ रिहो कृष्णः निष्ठुषा
 विषमो नापुकेन नृतिना ॥ तुष्टुफा वयक गदहरका ॥ अर्जुनो ॥ अस्वक नि
 तिदलस्य ॥ १२२ ॥ मुह्यं प्रभा नृत्तं गता ॥ नृत्तना मुदितं गता ॥ नवना
 तविषा ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना विषो ध्याय ॥ नृत्तना ॥ विषना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥
 रानादिना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥
 ति मरुता ॥ १२३ ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥

॥२४॥

दुर्वाः श्वसेराणि ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥
 अदिना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥
 नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥
 परिचरणकर्माणो ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥
 स्रमाका मय ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥
 वा ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥
 अंग ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥ नृत्तना ॥

११२५११

卷之四

॥२८॥
 व्यासः ॥ ३० ॥ इति धर्मो ध्यायः ॥ ३१ ॥ तदा निध्यायिता मास हना
 मना मृषः इति रात्रिं कुरुते नाजगत् ॥ तित्तं विप्रान् ध्यायित्वा ईर्ष्या
 नासा कायमाननाला धीवीरा विदध्या जुपेदा च वे नि न संता न स
 तः ॥ आह न सं ॥ अतः सती इति या वादी य इति कना सुविता दय
 तानुचित्वा दावेने अक्षर स्याति कीनासु त्वका सुप्रायणा
 अजायुः ॥ यव नगरं नंदरा नृक्षरा संतं नृणां वागी विप्रः ॥ ३२ ॥
 ॥ तामिः पिता शंयाः ॥ अदिनिः परिषा न सं विप्रराता मदिना

गिः गात्रः संसयः ॥ वृता वीचयेत् ॥ विद्युतो नृका अस्याः अस्या ॥
 दशा रसस्त्रिं वादिष्ठः वावशा न वाधी अंधः ॥ असेयं ती वन्य
 ति तुरुष्पति लंदनाः ॥ आह न नंदः ॥ सा मा अज्ञाः ॥ आत्रं जतिः
 हासता नापद्धिः ॥ समं हिता वाः वराहा स्वसराणि ॥ रायाः अ
 कीः पविः वृहः ध्वसिनी इडा मयी ॥ चितः आद्यु न्नां पवित्रं ॥
 लोदाः स्वयोः शिपि विष्टः ॥ विष्णुः आद्युणिः पृथु वयाः ॥ अथ्यु
 काणु का अथिगुः ॥ अथ्युषा अथ्यं तमस्युः ॥ अथाः ॥ उर्वशी ॥ वयुनी

कवित्तके १६३ तत्व ५-७ त्त
 करंगसाहितके १६३ तत्व ५-७ त्त

वो॥ अ॥ या॥ वी॥ वल॥ सु॥ से॥ ला॥ ह॥ वि॥ द्रो॥ ना॥ घा॥ वा॥ च॥ छि॥ द्रो॥ व॥ पा॥ द॥
 वु॥ उ॥ द्रो॥ अ॥ नी॥ अ॥ ना॥ सी॥ रा॥ ए॥ वी॥ ज॥ डी॥ ए॥ वी॥ ल॥ डी॥ डी॥ ती॥ ३॥ द्यो॥
 र॥ वो॥ द्यो॥ व॥ ज॥ रा॥ र॥ इ॥ र॥ इ॥ डी॥ प्र॥ ज॥ न्ये॥ व॥ द॥ स्प॥ ति॥ अ॥ व॥ रा॥ स्प॥ ति॥ ह॥ व॥
 स्प॥ प॥ ति॥ व॥ से॥ अ॥ प॥ ति॥ वा॥ य॥ स्प॥ ति॥ अ॥ पा॥ अ॥ पा॥ त्ता॥ य॥ मा॥ मि॥ न॥ अ॥ य॥
 स्वा॥ न॥ वि॥ अ॥ क॥ मा॥ ता॥ ह्ये॥ म॥ सु॥ र॥ व॥ शि॥ र्का॥ म॥ वि॥ ता॥ त॥ द्यो॥ वा॥ त॥ अ॥ मि॥
 वे॥ न॥ अ॥ सु॥ नी॥ ति॥ अ॥ त॥ र॥ इ॥ डी॥ प्र॥ ता॥ प॥ ति॥ अ॥ दि॥ अ॥ दि॥ बु॥ ध्म॥ सु॥ प॥ र्का॥ ॥ ३॥ २॥
 उ॥ कुर॥ वा॥ ॥ ३॥ २॥ उ॥ कुर॥ न॥ सा॥ म॥ न॥ व॥ ड॥ मा॥ न॥ न॥ त्ता॥ वि॥ द्या॥ न॥ र॥ धा॥ ता॥ वि॥

धा॥ ता॥ म॥ र॥ त॥ र॥ सु॥ द्या॥ न॥ न॥ व॥ अ॥ गिर॥ म॥ पि॥ त॥ र॥ अ॥ ध॥ व॥ लि॥ ॥ ३॥ २॥
 व॥ अ॥ ध॥ य॥ अ॥ स्या॥ अ॥ दि॥ ति॥ म॥ र॥ मा॥ म॥ र॥ स्व॥ ती॥ व॥ क॥ अ॥ नु॥ प॥ ति॥
 रा॥ का॥ सि॥ नी॥ वा॥ ली॥ उ॥ द्यो॥ अ॥ नी॥ उ॥ वे॥ नी॥ ए॥ छि॥ वी॥ इ॥ द्या॥ नी॥ गो॥ री॥
 गो॥ धा॥ अ॥ नु॥ अ॥ ध्या॥ प्र॥ ध्या॥ स्व॥ स्ति॥ र॥ उ॥ घा॥ इ॥ ला॥ रा॥ दे॥ मा॥ ॥ ३॥ २॥
 अ॥ छि॥ ना॥ उ॥ घा॥ सूर्य॥ वृ॥ षा॥ क॥ पा॥ यी॥ म॥ र॥ ण्य॥ ल॥ द्यो॥ म॥ वि॥ ता॥ अ॥
 ग॥ सूर्य॥ वृ॥ षा॥ वि॥ लु॥ वि॥ द्या॥ न॥ र॥ व॥ र॥ ण्य॥ क॥ र्का॥ क॥ रि॥ न॥ ग॥ वृ॥ षा॥
 क॥ पि॥ य॥ म॥ अ॥ ज॥ एक॥ पा॥ त्ता॥ ए॥ छि॥ वी॥ म॥ सु॥ द्यो॥ अ॥ ध॥ वी॥ म॥ नु॥ द्यो॥ ॥ ३॥ २॥

[illegible]

1. *Chrysomelidae*
 2. *Curculionidae*
 3. *Chrysomelidae*
 4. *Chrysomelidae*
 5. *Chrysomelidae*
 6. *Chrysomelidae*
 7. *Chrysomelidae*
 8. *Chrysomelidae*
 9. *Chrysomelidae*
 10. *Chrysomelidae*
 11. *Chrysomelidae*
 12. *Chrysomelidae*
 13. *Chrysomelidae*
 14. *Chrysomelidae*
 15. *Chrysomelidae*
 16. *Chrysomelidae*
 17. *Chrysomelidae*
 18. *Chrysomelidae*
 19. *Chrysomelidae*
 20. *Chrysomelidae*
 21. *Chrysomelidae*
 22. *Chrysomelidae*
 23. *Chrysomelidae*
 24. *Chrysomelidae*
 25. *Chrysomelidae*
 26. *Chrysomelidae*
 27. *Chrysomelidae*
 28. *Chrysomelidae*
 29. *Chrysomelidae*
 30. *Chrysomelidae*
 31. *Chrysomelidae*
 32. *Chrysomelidae*
 33. *Chrysomelidae*
 34. *Chrysomelidae*
 35. *Chrysomelidae*
 36. *Chrysomelidae*
 37. *Chrysomelidae*
 38. *Chrysomelidae*
 39. *Chrysomelidae*
 40. *Chrysomelidae*
 41. *Chrysomelidae*
 42. *Chrysomelidae*
 43. *Chrysomelidae*
 44. *Chrysomelidae*
 45. *Chrysomelidae*
 46. *Chrysomelidae*
 47. *Chrysomelidae*
 48. *Chrysomelidae*
 49. *Chrysomelidae*
 50. *Chrysomelidae*
 51. *Chrysomelidae*
 52. *Chrysomelidae*
 53. *Chrysomelidae*
 54. *Chrysomelidae*
 55. *Chrysomelidae*
 56. *Chrysomelidae*
 57. *Chrysomelidae*
 58. *Chrysomelidae*
 59. *Chrysomelidae*
 60. *Chrysomelidae*
 61. *Chrysomelidae*
 62. *Chrysomelidae*
 63. *Chrysomelidae*
 64. *Chrysomelidae*
 65. *Chrysomelidae*
 66. *Chrysomelidae*
 67. *Chrysomelidae*
 68. *Chrysomelidae*
 69. *Chrysomelidae*
 70. *Chrysomelidae*
 71. *Chrysomelidae*
 72. *Chrysomelidae*
 73. *Chrysomelidae*
 74. *Chrysomelidae*
 75. *Chrysomelidae*
 76. *Chrysomelidae*
 77. *Chrysomelidae*
 78. *Chrysomelidae*
 79. *Chrysomelidae*
 80. *Chrysomelidae*
 81. *Chrysomelidae*
 82. *Chrysomelidae*
 83. *Chrysomelidae*
 84. *Chrysomelidae*
 85. *Chrysomelidae*
 86. *Chrysomelidae*
 87. *Chrysomelidae*
 88. *Chrysomelidae*
 89. *Chrysomelidae*
 90. *Chrysomelidae*
 91. *Chrysomelidae*
 92. *Chrysomelidae*
 93. *Chrysomelidae*
 94. *Chrysomelidae*
 95. *Chrysomelidae*
 96. *Chrysomelidae*
 97. *Chrysomelidae*
 98. *Chrysomelidae*
 99. *Chrysomelidae*
 100. *Chrysomelidae*

